

ये अव्यक्त इशारे

सत्यता और सभ्यता रूपी कल्चर को अपनाओ

5-03-2025

परमात्म प्रत्यक्षता का आधार सत्यता है। सत्यता से ही प्रत्यक्षता होगी - एक स्वयं के स्थिति की सत्यता, दूसरी सेवा की सत्यता। सत्यता का आधार है - स्वच्छता और निर्भयता। इन दोनों धारणाओं के आधार से सत्यता द्वारा परमात्म प्रत्यक्षता के निमित्त बनो। किसी भी प्रकार की अस्वच्छता अर्थात् ज़रा भी सच्चाई सफाई की कमी है तो कर्तव्य की सिद्धि नहीं हो सकती।

Adopt the culture of truth and good manners

The basis of God's revelation is truth. Revelation will only take place through the truth. One is the truth of your own stage, the second is the truth of service. The basis of truth is cleanliness and fearlessness. On the basis of the inculcation of both of these, you can become an instrument to reveal God through the truth. If there is any type of uncleanness, that is, if there is even the slightest lack of truth or cleanliness, there cannot be success in the task of revelation.

